Hkkjrh; turk ikVhZ

(केंद्रीय कार्यालय)

11 अशोक रोड, नई दिल्ली–110001

दूरभाष–23382234 / 5 ; फैक्स– 23782163

दिनांक : 1 अक्तूबर, 2007

Hkktik v/;{k Jh jktukFk flag
}kjk mBk, x, izeq[k fcanq

पार्टी मुख्यालय, नई दिल्ली : भाजपा अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह ने तमिलनाडु के वर्तमान हालात व सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी के बारे में इलैक्ट्रॉनिक मीडिया से निम्न प्रमुख बिंदुओं पर आज चर्चा की :

- देश का शासन कानून से चलता है। कानूनों की अनदेखी, देश को अराजकता की ओर ले जाएगी।
- संप्रग सरकार की असफलताओं का सिलसिला जारी है। सर्वोच्च न्यायालय की राय के खिलाफ एक केंद्रीय मंत्री द्वारा असहज प्रश्न पूछना व न्यायालय के अधिकार को चुनौती देना, एक खतरनाक दृष्टांत साबित होगा तथा इससे कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सीधा टकराव होगा।
- न्यायालयीय मामलों पर केंद्रीय कैबिनेट मंत्री श्री टी आर बालू के प्रतिकूल बयान से, वे संघीय मंत्रीमंडल में रहने का संवैधानिक अधिकार खो चुके हैं।
- यदि केंद्र–सरकार ऐसा करने के लिए तैयार नहीं है, तो सामूहिक उत्तरदायित्व के संवैधानिक सिद्धांत के अनुसार पूरी सरकार जिम्मेदार है। इससे देश के संवैधानिक व संघीय ढांचे पर गहरा आघात पहुंचेगा।
- हालात पूर्णतया स्पष्ट हैं। सबसे पहले, वर्तमान संप्रग सरकार ने हलफनामा दायर कर भगवान श्री राम के अस्तित्व को ही नकार दिया। उसके बाद द्रमुक प्रमुख का ईशनिंदात्मक बयान आया, जो संप्रग का एक घटक दल है। इसके बाद तमिलनाडु में हिंदू संगठनों व भाजपा के कार्यालयों पर हिंसात्मक हमले हुए, फिर शक्ति के बल पर 'बंद' करने की कोशिश की गई। अब तमिलनाडु सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट की अवज्ञा की गई तथा आज केंद्रीय मंत्री द्वारा न्यायालय की आलोचना, पूरे देश के लिए एक गंभीर चिंता की बात है।
- इससे साफ हैं कि वर्तमान संप्रग सरकार के तहत देश का सांस्कृतिक, संघीय व संवैधानिक ताना–बाना बिखर रहा है।
- आज संवैधानिक ढांचे को सुरक्षित रखने की चुनौती है। प्रधानमंत्री को साहस दिखाना चाहिए तथा संविधान की सच्ची भावना के प्रति उन्हें समर्पित होना चाहिए।

¼';ke tkt½

कार्यालय प्रभारी